



# KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

**UPPSC – 2023**

**LIVE CLASSES**



**BY-AMARENDRA SRIVASTAV SIR**



# जैन धर्म (Jain Religion)

↓  
जैन भाग - - -





## Jain Council (जैन परिषद)

### 1st Jain Council (प्रथम जैन परिषद)

→ 300 B.C.

→ Patliputra (पाटलीपुत्र) → Bihar

→ Chairman: - Stulabhadra (स्थूलभद्र)  
(अध्यापक)

→ King: - Chandragupta Maurya  
(राजा) (चंद्रगुप्त मौर्य)

## 2nd Jain Council (द्वितीय जैन परिषद्)

→ 512 A.D.

→ Vallabhi, Gujarat  
(वल्लभी, गुजरात)

→ Chair Man: - Devardhimani  
(देवार्धमणी)  
or  
Devanagikshamasramana  
(देवार्धसमाश्रमण)



## Division of Jainism (जैन धर्म का विभाजन)

जैन धर्म प्रथम जैन पीढ़ी में दो वर्गों में बंटा -

① Digambara (दिगम्बर)

② Shvetambara (श्वेताम्बर)



## Difference between Digambara & Shvetambara.

Digambara	Shvetambara.
<ul style="list-style-type: none"><li>* परिवर्तन (Change) :- Not Accepted (स्वीकार नहीं)</li><li>* वस्त्र (Cloth) :- Naked (नग्न)<ul style="list-style-type: none"><li>वस्त्र नहीं पहनते</li><li>क्यों :- नैमित्तिक वस्त्र ज्ञान प्राप्ति में बाधक होते हैं।</li></ul></li><li>* Mahavira Swami was Unmarried. (महावीर स्वामी अविवाहित थे)</li></ul>	<ul style="list-style-type: none"><li>→ Accepted (स्वीकार)</li><li>→ सफेद वस्त्र पहनते</li><li>ज्ञान प्राप्ति वस्त्र बाधक नहीं होते हैं।</li><li>→ Mahavira Swami was married. (महावीर स्वामी विवाहित थे)</li></ul>



→ 19th Tirthankara Mallinath was Male.

(19वें तीर्थंकर माल्लिनाथ पुरुष थे)

→ महिलायें कैवल्य प्राप्त नहीं कर सकती।

ज्ञान (Enlightenment)

→ 19th Tirthankara Mallinath was Female.

(19वें तीर्थंकर माल्लिनाथ महिला थीं)

→ महिलायें कैवल्य प्राप्त कर सकती हैं।



## Jain Literature (जैन ग्रंथ)

↳ Language (भाषा): - Prakrit (प्राकृत)

\* अंग (Anga) → 12

\* उपअंग (Upanga) - 12

✓ \* आगम (Agam)

✓ \* भगवतीसूत्र (Bhagavatisutra): - महावीर स्वामी और

अन्य तीर्थंकरों की कहानी

(Story of Mahavira Swami {other  
Tirthankara})

\* कल्पसूत्र

\* श्रौतसूत्र



\* पदीर्ग  
\* मूलसूत्र

✓ \* अचरंगसूत्र (Acharanga sutra):- जैन भिक्षुओं के लिए  
नियम और कानून

✓ \* न्यायधम्म महासुत (Nayadhammakahasutta):-  
महावीर स्वामी की शिक्षाएँ  
(teaching/sermon of Mahavira Swami)

\* etc.



## जैन धर्म को संरक्षण देने वाले शासक:

- उदायिन (Udayin) → Ruler of Haryanka Dynasty
- चंद्रगुप्त मौर्य (Chandragupta Maurya)  
↳ Ruler of Maurya Dynasty
- खारवेल (Kharvel) → Ruler of Kalinga.
- राष्ट्रकूट शासक
- चंदेल शासक
- etc.



## जैन धर्म के 24 तीर्थंकर (24 Tirthankaras of Jainism)

1. ऋषभदेव (आदिनाथ), 2. अजितनाथ, 3. सम्भवनाथ, 4. अभिनन्दन, 5. सुमतिनाथ, 6. पद्मप्रभु, 7. सुपार्श्वनाथ, 8. चंद्रप्रभु, 9. सुविधिनाथ, 10. शीतलनाथ, 11. श्रेयांसनाथ, 12. वासुमूल, 13. विमलनाथ, 14. अनन्तनाथ, 15. धर्मनाथ, 16. शांतिनाथ, 17. कुन्थुनाथ, 18. अरनाथ, 19. मल्लिनाथ, 20. मुनिसुव्रत, 21. नेमिनाथ, 22. अरिस्टनेमि, 23. पार्श्वनाथ, 24. महावीर स्वामी।


1. Rishabhdev (Adinath), 2. Ajitnath, 3. Sambhavnath, 4. Abhinandan, 5. Sumatinath, 6. Padmaprabhu, 7. Suparshwanath, 8. Chandraprabhu, 9. Suvidhinath, 10. Sheetalnath, 11. Shreyansnath, 12. Vasumool, 13. Vimalnath, 14. Anantnath, 15. Dharmanath, 16. Shantinath, 17. Kunthunath, 18. Arnath, 19. Mallinath, 20. Munisuvrat, 21. Neminath, 22. Aristonemi, 23. Parshwanath, 24. Mahavir Swami.



1  **ऋषभनाथजी**


बैल / Ox / बैल



2  **अजितनाथजी**


हाथी / Elephant / हाथी



3  **संभवनाथजी**

घोडा / Horse / घोड़ा



4  **अभिनन्दननाथजी**


बंदर / Monkey / बंदर



5  **सुमतिनाथजी**


राकवा / Ruddy Goose / रूडी गूस्



6  **पुष्पदंतजी**


मगर / Crocodile / मगर



7  **शीतलनाथजी**


करपट्टा / Mango / करपट्टा



8  **श्रेयांसनाथजी**


गैंडा / Rhinoceros / रीनोसॉरस



9  **वासुपूज्यजी**


भैंसा / He- Buffalo / भैंसा



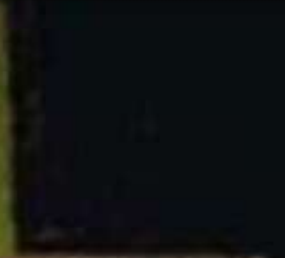
10  **विमलनाथजी**


सूकर / Pig / सूकर



11  **कुन्थुनाथजी**


बकरा / He-Goat / बकरा



12  **अरहनाथजी**

माछली / Fish / माछली



13  **मल्लिनाथजी**

कलश / Kalash / कलश



14  **मुनिसुव्रतनाथजी**

कछुआ / Tortoise / कछुआ



15  **नमिनाथजी**

नीलकमल / Blue-Lotus / नीलकमल







पद्मप्रभुजी

लाल कमल / Red Lotus / लाल



सुपाश्वनाथजी

साथिया / Swastika / सुख



चन्द्रप्रभुजी

अर्ध चन्द्र / Half Moon / अर्ध



अनन्तनाथजी

सेही / Porcupine / अण्ड



धर्मनाथजी

वज्रदंड / Thunderbolt / अण्ड



शान्तिनाथजी

हिरण / Deer / अण्ड



नेमिनाथजी

शंख / Conch Shell / अण्ड



पार्श्वनाथजी

सर्प / Snake / अण्ड



महावीरस्वामीजी

सिंह / Lion / अण्ड





## गणधर (Ganadhar) ✓

- संघ की स्थापना - महावीर
- Establishment of Sangh - Mahavir
- प्रमुख अनुयायी (major followers) - 11
- महावीर के जीवन काल मृत्यु - 10 गणधर की
- Mahavir's lifetime and death - 10 Ganadhar's
- जीवित - केवल सुधर्मण
- Surviving - Only Sudharman



जैन संघ के सदस्य चार वर्गों में विभक्त-

The members of Jain Sangh are divided into four classes-

(1) भिक्षु (Monk)

(2) भिक्षुणी (Nun)

(3) श्रावक (Shravak)

(4) श्राविका (Shravika)

**बसादी (Basadis)**- जैन मठों (Jain monasteries)



## प्रमुख विशेषताएं (major features)

➤ पुनर्जन्म एवं कर्मवाद में विश्वास करता है। उनके अनुसार कर्मफल ही जन्म तथा मृत्यु का कारण है।

Believes in reincarnation and karma. According to him, the result of karma is the reason for birth and death.

➤ सांसारिक बन्धनों से मुक्ति प्राप्त करने के उपाय बताए गये हैं।

Mainly the methods to get freedom from worldly bondages have been told.



► वर्ण व्यवस्था की निन्दा नहीं की गई है। महावीर के अनुसार पूर्व जन्म में अर्जित पुण्य एवं पाप के अनुसार ही किसी का जन्म उच्च अथवा निम्न कुल में होता है। ✓ ✓

The caste system has not been condemned in Jainism.  
According to Mahavir, one is born in a high or low clan according to the virtues and sins earned in the previous birth.

► देवताओं के अस्तित्व को स्वीकार किया गया है किन्तु उनका स्थान जिन से नीचे रखा गया है।

The existence of gods has been accepted, but their place has been kept below the Jinn.



- 
- अहिंसा पर विशेष बल दिया गया है। इसमें कृषि एवं युद्ध में भाग लेने पर प्रतिबन्ध लगाया गया है।

Special emphasis has been laid on non-violence. In this, participation in agriculture and war has been banned.

- संसार की वास्तविकता को स्वीकार करता है पर सृष्टिकर्त्ता के रूप में ईश्वर को नहीं स्वीकारता है।

Accepts the reality of the world but does not accept God as the creator.



## जैन शास्त्रों में अनन्त चतुष्टय (Anant Chatushtaya in Jain scriptures)

मोक्ष के पश्चात् जीवन आवागमन के चक्र से छुटकारा पा जाता है

After moksha, life becomes free from the cycle of coming and going.

- A. अनन्त ज्ञान (Infinite knowledge)
- B. अनन्त दर्शन (Infinite Vision)
- C. अनन्त वीर्य (Infinite Semen)
- D. अनन्त सुख (Infinite Happiness)



- जैनों के उत्तर भारत प्रमुख केन्द्र - उज्जैन एवं मथुरा
- दिलवाड़ा में कई जैन तीर्थंकरों के मंदिर - जैसे आदिनाथ, नेमिनाथ, आदि
- खजुराहों में पार्श्वनाथ, आदिनाथ



## **बौद्ध धर्म और जैन धर्म में समानता (Similarities between Buddhism and Jainism)**

- बौद्ध धर्म और जैन धर्म की उत्पत्ति उत्तर भारत में हुई और दोनों धर्मों के प्रचारक क्षत्रिय राजकुमार थे।
- Buddhism and Jainism originated in North India and the preachers of both the religions were Kshatriya princes.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म कर्मकांड के विरोधी थे।
- Buddhism and Jainism were against rituals.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म बलि - प्रथा के विरोधी थे।
- Buddhism and Jainism were opposed to the practice of sacrifice.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म ने ईश्वर के प्रति उदासीनता दिखाई।
- Buddhism and Jainism showed indifference towards God.



## बौद्ध धर्म और जैन धर्म में समानता (Similarities between Buddhism and Jainism)

- Buddhism and Jainism opposed the caste system.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म की प्रचार - भाषा जनसाधारण द्वारा बोली जाने वाली पालि/प्राकृत भाषा थी।
- The propagation language of Buddhism and Jainism was the Pali/Prakrit language spoken by the common people.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म ने अहिंसा पर जोर दिया।
- Buddhism and Jainism emphasized non-violence.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म ने पुनर्जन्म के सिद्धान्त को स्वीकार किया।
- Buddhism and Jainism accepted the theory of rebirth



## बौद्ध धर्म और जैन धर्म में समानता (Similarities between Buddhism and Jainism)

- बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों ही कर्म - सिद्धान्त को मानते थे।
- Both Buddhism and Jainism believed in the principle of karma.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों ने ब्राह्मणवाद के विरुद्ध आन्दोलन किया।
- Both Buddhism and Jainism agitated against Brahminism.
- (11) बौद्ध धर्म और जैन धर्म दोनों ने संघ-व्यवस्था की स्थापना कर अपने - अपने धर्म का प्रचार किया।
- Both Buddhism and Jainism propagated their respective religions by establishing the Sangha system.
- बौद्ध धर्म और जैन धर्म के अनुयायी उपासक एवं साध्वी दो भागों में विभक्त थे।
- The followers of Buddhism and Jainism were divided into two groups, worshipers and sadhvis.



- बौद्ध धर्म और जैन धर्म में असमानता (Dissimilarity between Buddhism and Jainism)
- बौद्ध धर्म आत्मा को नहीं मानता है परन्तु जैन धर्म आत्मा को मानता है।
- Buddhism does not believe in the soul but Jainism believes in the soul.
- जैन धर्म, बौद्ध धर्म की अपेक्षा अहिंसा पर विशेष बल देता है।
- Jainism gives special emphasis on non-violence as compared to Buddhism.
- बौद्ध धर्म आत्मा के अस्तित्व के विषय में मौन है जबकि जैन धर्म आत्मा के अस्तित्व को मानता है।
- Buddhism is silent about the existence of the soul whereas Jainism believes in the existence of the soul.



- **बौद्ध धर्म और जैन धर्म में असमानता (Dissimilarity between Buddhism and Jainism)**
- जैन धर्म शरीर यातना पर विशेष जोर प्रदान करता है जबकि बौद्ध धर्म विलास और तप के बीच के मध्यम मार्ग को मानता है।
- Jainism places special emphasis on physical torture while Buddhism follows a middle path between luxury and asceticism.
- जैन धर्म की अपेक्षा बौद्ध-धर्म में संघ व्यवस्था का विशेष महत्त्व है।
- The Sangha system has special importance in Buddhism as compared to Jainism.

इस  
धर्म  
प्रणाली



- **बौद्ध धर्म और जैन धर्म में असमानता (Dissimilarity between Buddhism and Jainism)**
- जैन धर्म का प्रचार मुख्यतः वैश्य जाति में ही हुआ जबकि बौद्ध धर्म जनसाधारण का धर्म बन गया।
- Jainism was propagated mainly among the Vaishya caste while Buddhism became the religion of the common people.
- जैन धर्म का प्रचार केवल भारत में हुआ लेकिन बौद्ध धर्म का प्रचार विदेशों में भी हुआ।
- Jainism was propagated only in India but Buddhism was propagated in foreign countries also.
- Buddhism received more state patronage than Jainism.
- जैन धर्म की अपेक्षा बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण अधिक प्राप्त हुआ।



## स्यादवाद (अनेकान्तवाद) अथवा सप्तभंगीनय

(Syadvad (Anekantvad) or Saptabhanginaya )

➤ ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धान्त कहा जाता है।

➤ It is called the principle of relativity of knowledge.

\* स्यादवाद मूलमंत्र: → स्यात् से बताई

परिधि: → संभवतः

हो सकता है।

⇒ मानव का ज्ञान सीमित है और सापेक्ष ⇒ इसे स्वीकार करना चाहिए।